

Hindi Murli Quiz 06-12-2013

आप यहाँ से सिर्फ 20 मिनट की 3mb की ऑडियो mp3 मुरली डाउनलोड करके अच्छी तरह सुनके/पढ़के फिर ही क्विज करें. इससे १००/१०० आना आसान हो जायेगा :-)

धन्यवाद

ओम शांति

Q.1) कहते हैं सब कुछ ईश्वर ने दिया है, ईश्वर ही लेते हैं, फिर कोई मरता है तो रोना नहीं चाहिए। क्योंकि ईश्वर ने दिया, उसने ही ले लिया। वास्तव में ईश्वर न लेते हैं, न वह देते हैं। वह तो लौकिक माँ - बाप जन्म देते हैं। फिर कोई मर जाता है तो उनको ही दुःख होता है।

- A. ☐ False
B. ☐ True

Q.2) आज के वरदान के अनुसार --आप बच्चे ब्रह्मण बने हो सदा बिजी रहने के लिए। बिजी रहने से क्या लाभ हैं? (सही उत्तर एक से ज्यादा हो सकते हैं। सभी सही उत्तरों को टिक करें)

- A. ☐ उसके विकर्म विनाश हो जाते हैं।
B. ☒ उसके पास माया नहीं आती।
C. ☒ उसके हर कदम में पदमों की कमाई जमा होती है।

Q.3) मुरली में धारणा के अंतर्गत दिए गए सभी पॉइंट्स चयन करके फुल मार्क्स प्राप्त करें।

- A. ☐ सदा उपराम रहना है।
B. ☒ श्रीमत पर पवित्र बन भारत की सच्ची सेवा करनी है।
C. ☒ बुद्धियोग से बेहद का त्याग कर रुहानी यात्रा करनी है।
D. ☒ स्वीट होम और स्वीट राजधानी को याद करने के सिवाय बुद्धि से सब कुछ भूल जाना है।
E. ☒ पूरा नष्टमोहा बनना है।

Q.4) हैं तो कुमार और कुमारियाँ दोनों पवित्र। फिर भी कुमारी का नाम क्यों गया जाता है, क्योंकि ----- (नीचे दिए उत्तरों में केवल एक ही उत्तर सही है। उसे चयन करके उपरोक्त रिक्त स्थान पूरा कीजिये।)

- A. ☐ कन्या भारत की रुहानी सेवा करती है।
B. ☐ कन्या सच्ची ब्राह्मण होती है।
C. ☐ कन्या ब्रह्मा की बच्ची है।
D. ☐ अभी का जो नाम है कि कन्या वह जो 21 कुल का उद्धार करे तो वह मान चला आया है।

Q.5) इन्हें मिलाएं -----

Choice	Match
A कलियुग में तो सब रोगी हैं, आयु भी कम है।	सतयुग में राजयोग से इतनी बड़ी आयु वाले बनते हैं।
B वह जिस्मानी यात्रा मनुष्य सिखलाते हैं।	बुद्धि की यात्रा बाप के सिवाय कोई सिखलाने वाला नहीं है।
C यह बड़ी हॉस्पिटल है।	हम 21 जन्म के लिए फिर कभी रोगी नहीं बनेंगे।
D याद से अपने विकर्म विनाश करो तो आत्मा शुद्ध बन जायेगी।	ज्ञान को धारण करने से तुम चक्रवर्ती राजा बनोगे।
E पूरा नष्टमोहा नहीं बनेंगे तो लक्ष्मी को वर नहीं सकेंगे।	फिर प्रजा में जायेंगे।
F हम पुरानी दुनिया को बुद्धि से भूल नई दुनिया को याद करते हैं।	फिर अन्त मती सो गति हो जाती है।

Explanation :

Q.6) बाबा ने मनुष्यों को ज्ञान समझाने के लिए अच्छी अच्छी पॉइंट्स बताई हैं। निम्नलिखित वाक्यों को मिलाकर उन पॉइंट्स को निकालिए ----

Choice	Match
A स्वर्ग का रचयिता ब्रह्मा नहीं है।	निराकार परमात्मा आकर प्रजापिता ब्रह्मा द्वारा स्वर्ग रचते हैं।

B	हमको परमपिता शिव ब्रह्मा द्वारा राजयोग सिखलाते हैं।	सृष्टि के आदि, मध्य, अन्त का राज समझाते हैं।
C	उस बेहद के बाप से हमको वर्सा मिलता है।	योगबल से विश्व का राज्य पाते हैं।
D	हम घरबार नहीं छोड़ते हैं।	हम तो अपने घर में रहते हैं।
E	पानी की गंगा तो पतित-पावनी नहीं है।	बार-बार उसमें स्नान करते लेकिन पवन बनते ही नहीं।
F	रावण को बार-बार जलाते रहते हैं।	रावण मरता नहीं है।

Explanation :

Q.7) इन्हें मिलाएं ----

	Choice	Match
A	भल तुम सन्यासियों आदि को देते हो,	परन्तु रिटर्न फल तो फिर भी शिवबाबा दाता देता है।
B	तुम जानते हो हम सुखधाम जाते हैं।	वाया शान्तिधाम।
C	पहले बाप के पास जायेंगे।	फिर ससुरघर आयेंगे।
D	अपनी सेवा को बाप के आगे अर्पण करदो,	तो सफलता हुई पड़ी है।

Explanation :

Q.8) इन्हें मिलाईये ---

	Choice	Match
A	दान सदा पात्र को देना है।	फालतू समय वेस्ट नहीं करना है।
B	हरेक की नब्ज देखो कि सुनते समय उनकी बुद्धि कहाँ जाती है।	बुद्धि कहीं भागती तो नहीं है।
C	ब्रह्मा है प्रजापिता, शिव का बच्चा।	विष्णु और शंकर को कभी प्रजापिता नहीं कहेंगे।
D	ऊँच ते ऊँच उस निराकार को कहा जाता है।	ब्रह्मा, विष्णु, शंकर तो उनके बच्चे हैं।

Explanation :

Q.9) बाप की _____ अलग है। सर्वगुण संपन्न, 16 कला सम्पूर्ण आदि यह _____ देवताओं की हैं। आत्मा जब शरीर के साथ है तब ही उसकी _____ है। (आज की मुरली के अनुसार, नीचे दिए गए उत्तरों में केवल एक उत्तर ही सही है, उसका चयन करके उपरोक्त तीनों रिक्त स्थानों को भरें)

- A. ☐ पर्सनालिटी
 B. ☐ इज्जत
 C. ☐ कृपा
 D. ☐ महिमा

Q.10) आज की मुरली के अनुसार पावन दुनिया में चलने के लिए बच्चों को कुछ पुरुषार्थ [परहेज, त्याग आदि] करना है। निम्नलिखित एकसरसाइज से उस पुरुषार्थ को स्पष्ट कीजिये।

	Choice	Match
A	परहेज --	ग्रहस्थ व्यवहार में कमलफूल के समान रहना है।
B	त्याग --	सारी बेहद की पुरानी दुनिया को देखते हुए भी नहीं देखना है।
C	दृष्टि --	एक आँख में स्वीट होम, दूसरी आँख में स्वीट राजधानी रखना है।

Explanation :